

डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 14

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्लेब्रांट

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 14, याचिका स्तोत्र, स्तोत्र 3 है।

तो, क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि हमारा मुँह हवा को गति दे सकता है और वे तरंगें कुछ खास तरीकों से हमारे कानों तक पहुँचती हैं और वे शब्द और विचार बनाती हैं? हमें एहसास है कि इसे पढ़ाते समय मैं जो शब्द बोलूंगा, वे हमारे कानों तक पहुँच सकते हैं और हम बहरे हो सकते हैं और आध्यात्मिक बातें नहीं सुन सकते हैं।

या यह बस हमारी संज्ञानात्मक सोच में जा सकता है। लेकिन भगवान, इसे उससे भी आगे जाना होगा। इसे आपकी पवित्र आत्मा के साथ जोड़ने की आवश्यकता है ताकि यह हमारी मानवीय आत्मा तक पहुँच सके।

आपकी पवित्र आत्मा आपके पाठ से इन शब्दों, आध्यात्मिक शब्दों को लेगी, और उन्हें हमारे चरित्र में बदल देगी। उन्हें रूपांतरित करें ताकि हम अपने बहुमूल्य उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के समान बन सकें। और हम जीवित रह सकें और उनके शब्दों और उनके सशक्तिकरण के साथ इस पृथ्वी पर उनका शरीर बन सकें।

ये हमारी पुकार है। धन्यवाद कि हम धर्मशास्त्र के इस स्तुतिगान से निपट रहे हैं, कि आपके लोगों ने आप पर अपना विश्वास व्यक्त किया है और जश्न मनाया है कि आप कौन हैं और आपने क्या किया है। आप उस प्रकार की प्रेरणा लेकर और उसे ईश्वर के वचन के रूप में हमें लौटाकर प्रसन्न हुए हैं।

इसलिए, हमें उनकी प्रशंसा सुनने और उनके साथ शामिल होने, उनकी विनती सुनने और उनके साथ जुड़ने, उनकी शिक्षा सुनने और डाँटने और सीख लेने में मदद करें। धन्यवाद प्रभु, कि हम सृष्टि के आरंभ से लेकर आज तक आपके लोगों के महान इतिहास का हिस्सा हैं। आपका शब्द बोला जाता है और आपके शब्द और आपकी आत्मा द्वारा आपके समुदाय का गठन किया जाता है। हम उस कैथोलिक चर्च का हिस्सा हैं और हम मसीह के नाम पर इसके लिए आपकी प्रशंसा करते हैं। तथास्तु।

ठीक है, हम भजनों के विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार कर रहे हैं।

पहले दिन, हमने स्तोत्र में ऐतिहासिक दृष्टिकोण और राजसत्ता को देखा। फिर हम आलोचनात्मक दृष्टिकोण की ओर बढ़े। हमने इसे अधिक व्यापक रूप से हिब्रू कविता के बारे में बात करके शुरू किया और यह कि आप हिब्रू कविता कैसे पढ़ते हैं।

आप देखें कि रेखाएँ एक-दूसरे से कैसे संबंधित हैं और फिर भी उन्हें एक-दूसरे से कैसे अलग किया जा सकता है। वे बहुत परिष्कृत भिन्नताएँ हैं और समानता पर ध्यान देना कुछ समय के लायक है। इसलिए, हमने उस पर थोड़ा समय बिताया है।

अधिक संक्षेप में, स्तोत्र के विभिन्न रूप हैं। मेरे विचार से वे मूलतः चार प्रकार के होते हैं। वहाँ वह भजन है जो भगवान की उत्कृष्टताओं, अनंत काल और सर्वशक्तिमानता के उनके अपरिहार्य गुणों आदि का जश्र मनाता है।

और उनकी विश्वासयोग्यता के संचारी गुण, एक अनुग्रह जिसमें हम भाग ले सकते हैं। यह महान धर्मशास्त्र है। हम उस पर गौर कर रहे हैं।

तो एक भजन है। फिर दूसरा प्रकार है याचिकाएँ। यह वह जगह है जहाँ भजनहार संकट में है और वह अपने संकट में भगवान से हस्तक्षेप करने के लिए प्रार्थना करता है क्योंकि यह सही है।

तो, आपके पास याचिका स्तोत्र हैं। तब आपके पास विश्वास के गीत और कृतज्ञ प्रशंसा के गीत होंगे। ये ऐसे गीत हैं जहाँ भगवान ने विशेष रूप से आपकी प्रार्थना का उत्तर दिया है।

तो, जबकि भजन मंदिर में है और आप केवल भगवान की स्तुति कर रहे हैं कि वह कौन है और उसने क्या किया है। स्तुति के कृतज्ञ गीत में, आप ईश्वर को उस कार्य के लिए धन्यवाद दे रहे हैं जो उसने आपके लिए विशेष रूप से एक विशिष्ट उद्धार में किया है। और इसलिए हमारे पास चौथा प्रकार है, भजन, और मुझे दूसरा, आभारी स्तुति याचिकाएँ डालनी चाहिए थीं।

और चौथा प्रकार जो स्तोत्र में विराम चिह्न लगाता है, वह है स्तोत्र 1 जैसे अनुदेशात्मक स्तोत्र। यह न तो स्तुति है, न यह प्रार्थना है, न कोई कृतज्ञतापूर्ण गीत है, बल्कि यह प्रशंसा करता है, धन्य है वह मनुष्य जो दुष्टों की सलाह को अस्वीकार करता है और इच्छा व्यक्त करता है प्रभु के कानून में समय बिताओ। और वह फलदायी हो जायेगा। तो, ये विभिन्न प्रकार के भजन हैं।

हम स्तुति स्तोत्रों के विशिष्ट रूपांकनों को देखते हैं, अर्थात् स्तुति का आह्वान, स्तुति का कारण, जहाँ आपको धर्मशास्त्र मिलता है। याचिका स्तोत्र के मूल भाव मूलतः प्रत्यक्ष संबोधन हैं। आप तुरंत भगवान की ओर मुड़ते हैं और संकट में कहीं और जाना पाप है क्योंकि आप भगवान के अलावा किसी और चीज़ पर निर्भर हैं।

बाकी जो भी हो, उसे प्रशंसा तो मिलेगी ही। लोग अपने डॉक्टरों की प्रशंसा करते हैं और मुझे लगता है कि यह सही भी है, लेकिन इसका अंत भगवान के अलावा किसी और चीज़ की प्रशंसा करने पर होता है। और हमने देखा कि हमें उसकी प्रशंसा करने के लिए चुना गया था।

और यदि हम उसकी स्तुति न करें, मानवीय रूप से कहें तो, ईश्वर मर जाएगा क्योंकि उसके बारे में किसी को पता नहीं चलेगा। तो, सैद्धांतिक रूप से, प्रेस जो करने की कोशिश कर रहा है वह भगवान को मारना है। इसलिए उनके बारे में कोई बात नहीं करता।

इसलिए, भगवान प्रभावी रूप से मर जाएंगे। वे भगवान को मारने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह काम नहीं करेगा। यीशु कहते हैं, यदि शैतान हर मुँह को बंद करने में सक्षम होता, तो चट्टानें चिल्ला उठतीं।

हमेशा प्रशंसा होगी, लेकिन वह चट्टानों का उपयोग नहीं कर रहा है। वह हमारा इस्तेमाल कर रहा है। और हम यहाँ हैं।

यहाँ हमारा उद्देश्य ईश्वर की स्तुति करना है। तो, आपके पास वह पता है जहाँ हम भगवान के पास जाते हैं और उन्हें सारी प्रशंसा मिलेगी। और यही पते का मुद्दा है।

और फिर हम देखते हैं कि उनके पास एक विलाप अनुभाग है और वे अपने विलाप के प्रति बहुत ईमानदार हैं। और इसलिए, हमने उन सभी विभिन्न स्थितियों को सूचीबद्ध किया है जिनमें वे स्वयं को पाते हैं। और इसलिए, यही विलाप है।

और फिर हम देखते हैं कि वे आत्मविश्वास में आ जाते हैं। इससे पहले कि आप याचिका में शामिल हों, शिकायत से मूड में बदलाव होता है। लेकिन एक मिनट रुकें, हमें एक महान भगवान मिला है जिस पर हम निर्भर रह सकते हैं।

और हम जानते हैं कि हम कौन हैं। हम भगवान के लोग हैं। और इसलिए, आत्मविश्वास अनुभाग में आत्मा बदल जाती है।

और नए विश्वास के साथ, हम विश्वास के साथ प्रार्थना करते हैं। और फिर हमारे पास निष्कर्ष है, और यहीं पर मुझे पिछले व्याख्यान के अंत में परेशानी हुई, जिसमें वे कभी-कभी पूर्ण निश्चितता के साथ आते हैं कि भगवान उनकी प्रार्थना का उत्तर देंगे। और आमूल-चूल परिवर्तन हो गया।

और हम पृष्ठ 162 पर थे और हमने लूथर से मेलानकथॉन तक पढ़ा था, जो लूथरन धर्मशास्त्री थे। और फिर उसके बाद केल्विन का सूत्रीकरण। और इसलिए, लूथर ने केल्विन को लिखा, यह पृष्ठ 162 के शीर्ष पर है, मैंने आपके लिए प्रार्थना की।

मैंने अपने दिल में आमीन महसूस किया। इसलिए, उसने तब तक प्रार्थना की जब तक उसे आमीन, निश्चितता नहीं मिल गई। और इस अनुभव से, केल्विन ने आशंकाओं, भय और डगमगाहट के बीच प्रार्थना का नियम तैयार किया।

हमें खुद को तब तक प्रार्थना करने के लिए मजबूर करना चाहिए जब तक हमें रोशनी न मिल जाए, जो हमें शांत कर देती है। यदि हमारे हृदय डगमगाते और परेशान हैं, और हम तब तक हार नहीं मान सकते जब तक कि विश्वास युद्ध से विजयी होकर आगे न बढ़ जाए। तो, आप पूरी प्रार्थना करते हैं और आप पूरी तरह आश्वस्त हैं।

और मेरी झिझक यह थी कि वे हमेशा इस तरह समाप्त नहीं होते। और मेरी समस्या यह थी कि मैं जिस तरह से अपनी बात कह रहा था वह सही नहीं था क्योंकि मैं ईश्वर में विश्वास और इस विश्वास के बीच अंतर नहीं कर पा रहा था कि वह प्रार्थना का ठीक उसी तरह उत्तर देगा जैसा आपने पूछा

था। और मेरा मतलब यह है कि, मैंने यहां जो पढ़ा है, मैं उसे उन्नत कर सकता हूँ कि आप तब तक प्रार्थना करें जब तक कि आपके पास पूरी तरह से विश्वास और आत्मविश्वास न हो, लेकिन भगवान में आपका विश्वास हो।

और आपको विश्वास हो सकता है कि वह उस प्रार्थना का उत्तर देगा, लेकिन अंत में आप यीशु के साथ हो सकते हैं, मेरी इच्छा नहीं, बल्कि आपकी इच्छा पूरी होगी। और इसलिए मैं वास्तव में इसी से जूझ रहा था। उनमें से कई का अंत एक प्रतिज्ञा के साथ होता है।

यदि आप मेरी प्रार्थना का उत्तर देते हैं, तो वे इस निश्चितता के साथ समाप्त नहीं होते कि उस प्रार्थना का उत्तर दिया जाएगा। तो, कल अस्पष्टता से, जैसा कि मैंने इसके बारे में सोचा था, यहाँ क्या गलत हुआ? और मेरी सोच कहां गलत हो गई? मुझे एहसास हुआ कि जो गलत हुआ वह यह था कि मैंने ईश्वर में पूर्ण विश्वास और पूर्ण विश्वास के बीच अंतर नहीं किया था कि वह प्रार्थना का उत्तर ठीक उसी तरह देगा जैसा मैं चाहता था। तो इससे 162 पर उस बिंदु को स्पष्ट करने में मदद मिल सकती है।

फिर हम भाग दो में आगे बढ़ते हैं, प्रार्थनाओं को व्यापक रूप से देखने के बाद और गुंकल द्वारा एकत्रित की गई विशाल सामग्री को देखने के बाद, हम विशेष रूप से अशुद्ध प्रार्थनाओं को देखते हैं। ये प्रार्थनाएँ हैं कि 50 विलाप स्तोत्र या प्रार्थना स्तोत्र हैं। और 50 में से 35 सिर्फ मुक्ति की मांग करने से आगे निकल जाते हैं।

वे भगवान से दुश्मन को सज़ा देने की प्रार्थना कर रहे हैं। और हम आखिरी घंटे के अंत में इससे जूझ रहे थे, क्योंकि बच्चों को चट्टानों और अन्य चीजों से कुचलने की ये प्रार्थनाएँ ईसाइयों के लिए अपमानजनक हैं और पहाड़ी उपदेश और यीशु के उदाहरण का खंडन करती हैं। तो, हम इस बात से जूझ रहे हैं कि हम ईसाई इस प्रकार की प्रार्थनाओं को कैसे संभालें? मैं सुझाव दे रहा हूँ, अपना डेटा प्रस्तुत करते हुए, मैं विद्वान पोपों पर विश्वास नहीं करता हूँ।

मेरा मानना है कि हम सभी अपना डेटा सबके सामने रखते हैं ताकि हम उसकी जांच कर सकें, उस पर प्यार से बहस कर सकें और किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकें। मैंने यह सब बाहर रख दिया। मैंने निष्कर्ष निकाला कि वे ठोस सिद्धांत के लिए आवश्यक हैं।

वे हमें आश्चर्य करते हैं कि न्याय का ईश्वर है, कि वह सही को गलत से अलग करता है, कि नैतिकता है और वे ईश्वर में दृढ़ विश्वास पर आधारित हैं। मैंने कुछ नौ बिंदु सूचीबद्ध किये। मैं सोचता हूँ कि वे बहुत महान सिद्धांत हैं।

दूसरी ओर, हमारी व्यवस्था के लिए, मैंने तर्क दिया, वे उचित नहीं हैं। वे यह सिखाने के लिए अच्छे हैं कि हम सीखें कि धर्मशास्त्र का उपयोग कैसे करें, लेकिन यीशु ने जो सिखाया उसके प्रकाश में वे अनुपयुक्त हैं क्योंकि हम जानते हैं कि न्याय अब यह अंतिम न्याय है जो यीशु के लौटने पर अंतिम निर्णय में विश्वास के माध्यम से होता है। वह अब अंतिम न्याय की मांग नहीं कर रहा है।

तो, इस तरह हमने आह्वानात्मक स्तोत्रों को हल करने का प्रयास किया। प्रार्थना के बारे में उचित धर्मशास्त्र के बारे में बस एक शब्द। याचिकाओं में से एक बिंदु यह है कि हमने यह मुद्दा उठाया है कि याचिकाएं हमेशा धर्म-विवादात्मक होती हैं।

सभी शिकायतों के साथ, यह हमेशा प्रशंसा के साथ होता है और वे भगवान पर विश्वास कभी नहीं खोते हैं। यह हमेशा प्रशंसा के साथ होता है। मेरा सुझाव है कि अय्यूब और भजनहार के बीच यही अंतर है।

दोनों ने जमकर विरोध किया। यह अन्याय है। यह उचित नहीं है।

मुझे नहीं पता कि मैं इससे क्यों गुज़र रहा हूँ, लेकिन अंत तक अय्यूब की कोई प्रशंसा नहीं हुई। जबकि भजनहार के पास हमेशा प्रशंसा का भाव होता है। यहां तक कि स्तोत्र की काली भेड़, भजन 88, अगर आप इसके बारे में सोचते हैं तो अभी भी यह संदर्भ मिलता है कि भगवान बचाता है, लेकिन वह स्तोत्र की काली भेड़ है।

स्तोत्र की तीसरी पुस्तक को काली भेड़ के नाम से जाना जाता है। यह भजन संहिता की पाँच पुस्तकों में से सबसे अंधकारपूर्ण पुस्तक है। इसलिए, वे हमेशा स्तुति-संबंधी होते हैं।

जब हम विशिष्ट भजनों के माध्यम से अपना काम करेंगे तो हम इसे देखेंगे। दूसरी बात यह है कि वे हमेशा गहरी विनम्रता व्यक्त कर रहे हैं। वे भगवान पर निर्भर हैं।

और हम उस बारे में बात करेंगे। हम इसे भजन 3 में देखेंगे, ईश्वर पर निर्भर। लेकिन क्या आप ईश्वर पर निर्भरता के संबंध में साधनों का उपयोग करते हैं? क्या ईश्वर पर निर्भरता का मतलब है, उदाहरण के लिए, यदि आप बीमार हैं और आप ईश्वर पर निर्भर हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि आप दवा का उपयोग नहीं करते हैं? क्या ईश्वर पर निर्भरता के संबंध में आपके पास दवा और डॉक्टर हो सकते हैं? जब हम भजन 3 पढ़ेंगे तो मैं इससे थोड़ा जूझूंगा। मुझे लगता है कि हमें उस बिंदु पर कुछ स्पष्टता मिल जाएगी।

चौथा अंतिम यह है कि वे आम तौर पर दूसरों के लिए इच्छा के साथ समाप्त होते हैं, विशेष रूप से राजा भगवान के लोगों पर आशीर्वाद की कामना करता है। इसलिए, वे स्वयं के साथ समाप्त नहीं होते हैं या हो सकते हैं, लेकिन वे आम तौर पर इसके माध्यम से और अधिक व्यापक रूप से आशीर्वाद प्राप्त करने वाले अन्य लोगों को शामिल करते हैं। मैंने दूसरे दिन माइक के साथ एक चुटकुला साझा किया, खैर, कोई चुटकुला नहीं, बल्कि हसीदीम और हसीदिक के बीच एक दृष्टांत था।

वे बहुत ही रूढ़िवादी रूढ़िवादी यहूदी संप्रदाय हैं जो व्यवस्थाविवरण के अनुसार अपने घुंघराले बाल नहीं काटते हैं। रब्बी कहते हैं, यदि तुम किसी दमकल की गाड़ी को अपने घर की ओर दौड़ते हुए देखो, और तुम जानते हो, आग लगी है, तो प्रार्थना मत करो कि यह मेरा घर नहीं है। वह दो कारण बताता है कि यह गलत प्रार्थना क्यों है।

आपको प्रार्थना क्यों नहीं करनी चाहिए यह मेरा घर नहीं है। पहला कारण यह है कि प्रार्थना का उत्तर नहीं दिया जा सकता क्योंकि यदि यह आपका घर है, तो इसमें आग लग गई है। तो, यह एक प्रकार की मूर्खतापूर्ण प्रार्थना है।

तो, दूसरा कारण यह है कि यदि यह आपका घर नहीं है, तो यह किसी और का घर है। तो, वास्तव में, आप प्रार्थना कर रहे हैं, मेरा घर मत बनो, बल्कि किसी और का घर बनो। इसका अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करने से क्या संबंध है? तो, यह प्रार्थना करना एक बहुत ही बुरी प्रार्थना है, हे भगवान, मेरे पास प्रार्थना का उत्तर नहीं है।

इसलिए, हमें अन्य लोगों के प्रति सचेत होकर उन पर ईश्वर के आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करनी होगी। मुझे नहीं पता कि यह खेल के साथ कैसे काम करेगा, लेकिन मैं आपको यह पता लगाने दूँगा कि आप ह्यूस्टन के पक्ष में जा रहे हैं या ऑयलर्स के पक्ष में। फुटबॉल खेल में अब ऑयलर्स का क्या हाल है? टेक्सास।

अरे हाँ, वह डलास में हुआ करता था। टेक्सस मूलतः डलास में थे। यह पूरी कहानी है।

वैसे भी, अन्यथा आप सीहॉक्स के पक्ष में जा रहे हैं। तो, क्या मुझे अपनी घरेलू टीम का समर्थन करना चाहिए? तो फिर मैं स्पष्ट रूप से उम्मीद कर रहा हूँ कि दूसरी टीम हार जाएगी। तो, मेरे पास एक गहन धार्मिक समस्या है, लेकिन मैं आप सभी को इसे हल करने दूँगा।

ठीक है। अब हम देखने के लिए तैयार हैं, हमारा दृष्टिकोण मोटे तौर पर एक दृष्टिकोण को देखना और फिर विशिष्ट भजनों पर ध्यान केंद्रित करना है। और इसलिए आज, इसे सात-लीग बूटों के साथ बहुत व्यापक रूप से देखने और समग्र रूप से स्तोत्र का अनुभव प्राप्त करने के बाद, अब हम आज व्यक्तिगत स्तोत्र, विभिन्न प्रकार के याचिका स्तोत्रों को देखने जा रहे हैं।

तो, पृष्ठ 174 पर पहला सबसे पहला विलाप स्तोत्र या प्रार्थना स्तोत्र है, जो भजन 3 है। भजन 1 और 2 भजन की पुस्तक का परिचय हैं। और भजन 1 वह द्वार है जिसके माध्यम से आपको उस दिव्य शहर तक जाने के लिए गुजरना होगा जहां भजन हमें ले जाने वाले हैं। और इसलिए कि तुम्हें नैतिकता के साथ आना होगा और प्रभु के कानून में आनंद लेना होगा, उसके वचन पर ध्यान देना होगा।

और यदि आप नैतिकता की उस भावना में हैं, तो आप भजन में प्रवेश करने के लिए आध्यात्मिक रूप से उपयुक्त स्थिति में हैं। जैसा कि हमने प्रार्थना स्तोत्रों में देखा, अशुद्ध हाथों और खतनारहित हृदयों से प्राप्त स्तुति गीत या भजन परमेश्वर के लिए घृणित हैं। और इसलिए, इसलिए, हमें स्तोत्र में प्रवेश करने के लिए उपयुक्तता के साथ आना होगा।

दूसरा स्तोत्र हमें प्रमुख व्यक्ति से परिचित कराता है, जो कि राजा है। यह राज्याभिषेक स्तोत्र है। और हम उस बारे में बात करने जा रहे हैं।

आज, मैं ने अपने राजा को अपने पवित्र पर्वत सिंघोन पर स्थापित किया है। और हमें एक से परिचित कराया गया है, मुझसे पूछो, मेरे बेटे, और मैं तुम्हें तुम्हारी विरासत के लिए अन्यजातियों को दूंगा। पृथ्वी के छोर पर तुम्हारा अधिकार है।

और इसलिए, वह राजा से प्रार्थना करने के लिए कहता है, प्रार्थना करने के लिए कि उसका राज्य पृथ्वी के छोर तक विस्तारित हो। और यह राष्ट्रों के उग्र होने और परमेश्वर के शासन को खत्म करने और अभिषिक्त राजा के शासन को खत्म करने के संदर्भ में है। हमने शायद सोचा होगा कि परमेश्वर का राज्य हल्के बादलों पर आएगा और आप प्रार्थना करते हैं, हे प्रभु, अपना राज्य लेकर आओ।

और यह इंद्रधनुष और धूप के साथ ऐसे ही आने वाला है। अगली बात जो हम जानते हैं, वह यह है कि हमारी पिकनिक पर बारिश हुई है। और हम भजन को यह कहते हुए सुनते हैं, हे प्रभु, मेरे शत्रु कितने हैं, कितने मेरे विरुद्ध उठेंगे?

और हमें अचानक एहसास होता है कि यह आसानी से आने वाला नहीं है। यह संघर्ष के साथ आने वाला है और यह ईश्वर के राज्य को लाने के लिए विश्वास का संघर्ष होने वाला है। और इसलिए, यह एक सुबह की प्रार्थना है जब वह इसे प्रस्तुत करता है, लेकिन इसमें एक मंदिर दिखाई देता है।

वह पवित्र पर्वत की ओर प्रार्थना कर रहा है। वह मंदिर में नहीं है, लेकिन वह मंदिर को ध्यान में रखते हुए मंदिर की ओर प्रार्थना कर रहा है। दूसरे दिन हमने भजन 4 देखा, जो एक शाम की प्रार्थना है।

तो, ये दोनों जोड़े हैं। एक तो सुबह की प्रार्थना है। एक शाम की प्रार्थना है।

दोनों ही मामलों में, यह उसके अपने लोग हैं जो उसके खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं। और इस भजन में, यह अबशालोम के विद्रोह में है और पूरा राष्ट्र अकारण उसके विरुद्ध हो गया है। और भजन 4 में, उनके अपने नेतृत्व ने उन पर विश्वास खो दिया है।

और इसलिए, आप तुरंत उसके अपने राष्ट्र के भीतर, उसकी इस अस्वीकृति और वह इससे कैसे संघर्ष करता है, शुरू करते हैं। और हम उस असंभव परिस्थिति के बीच विश्वास और प्रार्थना के आध्यात्मिक संघर्ष को सीखते हैं, जब पूरा देश उसके खिलाफ हो जाता है। अब हमारी राजनीतिक स्थिति पर नजर डालें।

यह मुझे बिल्कुल असंभव लगता है। और फिर आपके पास अगला व्यक्ति है, आपका अपना नेतृत्व उसे धोखा दे रहा है। तो यह संदर्भ है।

तो, चलो चलें और फिर हम भजन पढ़ेंगे। और आज मैं शायद जो अधिक करूंगा वह यह है कि सभी नोट्स को पढ़ने के बजाय, मैं शायद, हम बस एक साथ रहेंगे और हम थोड़ा और तेज़ी से आगे बढ़ सकते हैं। हम सिर्फ भजन के साथ रहेंगे और अनुवाद रखेंगे।

यदि मैं कुछ ऐसा कह रहा हूँ जो मुझे पता है कि आपके नोट्स में नहीं है, तो मैं संभवतः आपका ध्यान उस ओर आकर्षित करूँगा। तो अन्यथा, आपको बहुत अधिक लिखने के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। यदि आप चाहें तो जब आप किसी अन्य समय इस पर दोबारा गौर करेंगे तो यह आपके नोट्स में होगा।

तो, हम सुपरस्क्रिप्ट और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से शुरू करते हैं। हमने मानक शैक्षणिक छात्रवृत्ति के विरुद्ध सुपरस्क्रिप्ट की विश्वसनीयता को मान्य करने में कुछ समय बिताया। यह दाऊद का भजन है।

और यह उन 14 भजनों में से एक है जहाँ हमें एक ऐतिहासिक स्थिति दी गई है जिसने भजन की रचना को प्रेरित किया। हमें बताया गया है कि यह तब था जब वह अपने बेटे, अबशालोम से भाग गया था। और हम उस पर वापस आएंगे।

तो, यह वहाँ एक उद्देश्य के लिए है। और यह मानते हुए कि आप सैमुअल की पुस्तक जानते हैं, जहाँ हमारे पास उसकी उड़ान की कहानी है, उसके अपने बेटे द्वारा उससे सिंहासन छीन लेने के कारण यरूशलेम से उसके निर्वासन की कहानी है। मैं हूँ।

ओह, और जब आप पढ़ रहे हों, तो मेरे द्वारा कहे गए उद्देश्यों के बारे में सोचें। पता कहाँ है? विलाप कहाँ है? आत्मविश्वास कहाँ है? याचिका कहाँ है? आपको वे सभी यहाँ मिलेंगे। और उन विभिन्न वर्गों की पहचान करना हमारे लिए उपयोगी हो सकता है ताकि हम भजन के धर्मशास्त्र पर बेहतर ढंग से विचार कर सकें।

इसलिए, जब हम इससे गुजरें तो उस पर ध्यान दें। और जब हम समाप्त कर लेंगे, तो मैं आपसे पूछूँगा, विलाप कहाँ है? आत्मविश्वास कहाँ है? याचिका कहाँ है? और प्रशंसा या इच्छा कहाँ है? ठीक है। मैं हूँ।

मेरे शत्रु कितने हैं? बहुत से लोग मेरे विरुद्ध उठ खड़े होते हैं। बहुत से लोग मेरे विषय में कहते हैं, परमेश्वर उसे बचा न सकेगा। लेकिन तुम, मैं, मेरे चारों ओर एक ढाल हो।

तू ही मेरी महिमा है, जो मेरा सिर ऊंचा करता है। मैं जोर से चिल्लाता हूँ मैं हूँ और वह मुझे अपने पवित्र पर्वत से उत्तर देता है। मैं लेट गया और सो गया।

मैं जाग गया क्योंकि मैं मुझे संभाले हुए हूँ। मैं उन हज़ारों सैनिकों से नहीं डरता जो हर तरफ से मेरे खिलाफ़ खड़े हैं। उठो, मैं हूँ, मेरा उद्धार करो, मेरे भगवान, मेरे सभी शत्रुओं के गाल पर प्रहार करो, दुष्टों के दाँत तोड़ दो।

मुक्ति का संबंध मैं हूँ से है। आपका आशीर्वाद आपके लोगों पर बना रहे। और फिर तार वाले वाद्ययंत्रों वाले संगीत निर्देशक के लिए पोस्टस्क्रिप्ट, जो भजन 4 की शुरुआत में पाई जाती है। मेरा मानना है कि यह भजन 3 से संबंधित है। ठीक है।

चलो वापस ऊपर चलते हैं। इससे पहले कि हम भजन में उतरें, मैं चाहता हूँ कि आप चर्च की आवाज़ को थोड़ा सुनें। यह सदियों पुराना है और पूरे चर्च के इतिहास में किसी ने यही कहा है।

ईस्टर पर, भजन 3.5 का स्मरणोत्सव सबसे अधिक ध्यान से मनाया जाता था, अर्थात् 3.5। मैं लेट गया और सो गया। मैं फिर से जाग गया क्योंकि मैं मुझे संभाले हुए हूँ। आरंभिक चर्च में, एक क्रॉस कंट्री सीधे यीशु के पास आती थी।

उन्होंने उसमें देखा कि यीशु मर रहा है, मैं लेटने जा रहा हूँ, सोने जा रहा हूँ। लेकिन मैं ईस्टर पर जागा। गुड फ्राइडे, वह मौत के आगोश में समा गया।

ईस्टर रविवार, वह जाग गया क्योंकि प्रभु ने उसे मृत्यु के माध्यम से बनाए रखा। तो, इस तरह वे भजन पढ़ेंगे। मैं इसे आम तौर पर पढ़ता हूँ।

मैं डेविड से शुरू करता हूँ और डेविड के लिए इसका क्या मतलब है। तब मुझे समझ में आया कि डेविड उनके महानतम पुत्र का एक प्रकार है, ईश्वर का पुत्र। अतः वह अबशालोम के विद्रोह में संकट में पड़ गया।

वह जाग गया। मेरे लिए यह यीशु का एक प्रकार है जब पूरे राष्ट्र ने उसे अस्वीकार कर दिया और उसे सूली पर चढ़ा दिया। वह मौत की नींद में चला गया और वह फिर से जाग गया और विजयी हुआ क्योंकि भगवान ने उसे संभाल लिया था।

अतः उनमें हमारी ऐतिहासिक चेतना उतनी नहीं थी जितनी आज है। डेजर्ट फादर्स हमें चौथी शताब्दी में वापस ले जाते हैं। स्तोत्र के दैनिक पाठ में, आमतौर पर 12 स्तोत्र, वे अपने कक्षों में सुबह की प्रार्थना में 12 स्तोत्र और रात में 12 स्तोत्र गाते थे।

सुबह-सुबह भजन 3 से शुरुआत करना उनका दैनिक अभ्यास बन गया। इस तरह उन्होंने दिन की शुरुआत की। इसलिए, यह भजन चर्च के इतिहास में भगवान के लोगों के साथ मनाया गया है। यह आलोचनात्मक था।

उस दिन की शुरुआत डेजर्ट फादर्स से हुई, जो भगवान का हिस्सा बनना चाहते थे और जितना हो सके उनके करीब रहना चाहते थे और दुनिया से दूषित नहीं होना चाहते थे। मुझे लगता है कि यह खराब धर्मशास्त्र था, लेकिन उनके दिल भगवान के लिए बहुत अच्छे थे। तो, वे भजन 3 का पाठ करके शुरुआत करेंगे। मैं उनसे सीख सकता हूँ।

और फिर शुमान भजन 63 के साथ आगे बढ़ते हैं और वे भजन 140 और तीसरे, छठे और नौवें घंटे में अन्य प्रार्थनाओं के साथ समाप्त होंगे। इस तरह पूर्व और पश्चिम में इसके विभिन्न रूपों और विविध मठवासी नींवों के साथ धार्मिक घंटों की उत्पत्ति और लंबी परंपरा बन गई। दिन के शारीरिक श्रम के दौरान, लगातार भजनों का जाप किया जाता था।

पल्लाडियस की रिपोर्ट है कि अपराह्न 3 बजे के आसपास, कोई व्यक्ति खड़ा हो सकता है और प्रत्येक कोशिका से दिव्य भजन सुन सकता है और कल्पना कर सकता है कि वह ऊपर स्वर्ग में

है, यानी स्वर्गदूतों के साथ। यह दिन का मुख्य भोजन या अधिक तपस्वी रूपों में, दिन का एकल भोजन का समय था। तो, यह सिर्फ एक स्वाद है जो मुझे लगता है कि अक्सर हम जो अधिक स्वतंत्र होते हैं, हमें अपने इतिहास की समझ नहीं होती है।

मुझे कहना होगा कि एंग्लिकनवाद के बारे में जिन चीजों का मैं आनंद ले रहा हूँ उनमें से एक यह है कि मुझे वास्तव में अब इसका एहसास हो गया है क्योंकि मैं एक बहुत ही ऐतिहासिक चर्च का हिस्सा हूँ। तो, वैसे भी, मुझे यह उपयोगी लगता है। संपूर्ण धर्मविधि के घंटों में, मुझे यह उपयोगी लगता है कि दिन में चार बार आप धर्मविधि से गुजरते हैं और हर दिन आप बाइबल का एक अलग खंड पढ़ते हैं।

मुझे यह बहुत हितकर लगता है। मैं इसे उतनी अच्छी तरह और पूरी तरह से नहीं करता जैसा मैं चाहता था कि मैं करता, लेकिन यह एक महत्वाकांक्षा है। कम से कम मुझे पता है कि मैं किसके लिए प्रयास कर रहा हूँ।

जर्मन सिट्ज़ेनबच के बारे में बात करते थे और मैंने पढ़ा कि यह भजन की पुस्तक की संरचना में इस तरह से सेट है। मैंने पहले ही टिप्पणी की है कि आपके पास भजन 1, 2, और फिर आप यहाँ 3, 4 और इन सभी विलापों को समाप्त करते हैं। तब आपको भजन 8 में पहला स्तुति स्तोत्र मिलता है। और हमने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह पहला स्तुति स्तोत्र था।

ठीक है। अब चलो वापस चलते हैं। हम नहीं जायेंगे, पृष्ठ 176 पर मत जाइये।

अब से, मैं चाहता हूँ कि आप बस इतना करें कि चलो, ठीक है, चलो चलें और भजन का आनंद लें। आइए शुरुआत करें, यह डेविड का एक भजन है। मैं आपसे पूछता हूँ, भजन से क्या पता चलता है कि यह एक राजा की प्रार्थना है? कुछ भी आप देख रहे हैं? क्या वहाँ ऐसा कुछ है जो यह सुझाव दे कि यह केवल मिस्टर एवरीमैन द्वारा नहीं, बल्कि एक राजा द्वारा किया गया है? मैं श्लोक तीन का सुझाव दूंगा, जहाँ यह बताया गया है कि आप मेरे चारों ओर ढाल हैं, मेरी महिमा हैं, और वह हैं जो मेरा सिर ऊंचा करते हैं।

ठीक है। मुझे लगता है कि मेरे चारों ओर की ढाल, मुझे लगता है, किसी के लिए भी इस्तेमाल की जा सकती है, लेकिन जो मेरे सिर को हर चीज से ऊपर उठाता है, मुझे लगता है कि वह एक कदम है। और मुझे लगता है, लैंडन, यह मददगार है।

मैं भी, श्लोक छह में, अपने विरुद्ध एकत्रित हजारों सैनिकों से नहीं डरता। वह मिस्टर एवरीमैन नहीं है। नहीं, यह एक सैन्य दृश्य है।

यदि मैं इसे रूपक के रूप में नहीं, बल्कि अंकित मूल्य पर लेता हूँ, और मुझे इसे रूपक के रूप में लेने का कोई कारण नहीं दिखता। सुपरस्क्रिप्ट भी मुझे रोकता है। मिस्टर एवरीमैन के रूप में इसे मेरे लिए रूपक के रूप में लेना अप्राकृतिक है।

और अब अतिशयोक्ति, मैं अपनी कल्पना में 10,000 सैनिकों से घिरा हुआ हूँ। इसलिए, मुझे लगता है कि इसकी अधिक संभावना है कि यह एक राजा है और यह अबशालोम विद्रोह के लिए

बहुत अच्छी तरह से फिट होगा। तो, वह हमें सुपरस्क्रिप्ट के माध्यम से जो करने के लिए कह रहा है, वह 2 सैमुअल छंद अध्याय 14 से 16 पर वापस जाना है, जहां हमारे पास अबशालोम की कहानी है।

दरअसल, लड़ाई अध्याय 17 और 18 में है। लेकिन जब डेविड भाग गया, तो वह कहानी 2 शमूएल 14, 15 और 16 में है। और पूरी बात की पृष्ठभूमि, निश्चित रूप से, अगला भजन है जिसे हम देखने जा रहे हैं भजन 51 है।

और वह डेविड के करियर का एक वास्तविक मोड़ है। बतशेबा के साथ उस पाप और उसके पति की हत्या के बाद वह सदमे में है। और उसे पता चला कि वह बोधगम्य नहीं है।

ऐसा लगता है जैसे वह नींद में है। ऐसा लगता है जैसे वह किसी उलझन में है। उसे सेक्स का शौक था और उसने व्यभिचार, हत्या और पति की हत्या कर दी थी।

और इसका असर स्पष्ट रूप से हुआ क्योंकि सिंहासन का उत्तराधिकारी अम्नोन, अगला, सबसे बुजुर्ग, होता। और वह अपनी बहन के साथ बलात्कार करता है और अपने पिता के साथ यौन संबंध बनाता है और तामार के साथ बलात्कार करता है। और फिर आपके पास अबशालोम, अगला, सिंहासन का उत्तराधिकारी है।

चूँकि डेविड कार्रवाई नहीं करता है, अबशालोम गलत का बदला लेने के लिए सही प्रक्रिया से गुजरने और पिता से यह काम करवाने के बजाय इसे अपने हाथ में ले लेता है। वह वह है जो अपना बदला लेता है, जो वर्जित है। और इसलिए उसने अम्नोन की हत्या कर दी।

और अब हमारे पास एक हत्यारा है। और उसके परिणामस्वरूप, अबशालोम को भागना पड़ा। वह निर्वासन में चला जाता है।

और अंततः, डेविड उसे वापस आमंत्रित करता है। गलत को कभी भी स्पष्ट स्वीकारोक्ति या सही करना नहीं होता। पिता और पुत्र के बीच ठंडापन है।

और इसलिए, अबशालोम ने पिता के विरुद्ध विद्रोह किया। अबशालोम सचमुच दुष्ट है। वह शत्रु है।

वह सचमुच दुष्ट है। आप देख सकते हैं कि तथ्य यह है कि वह अपने पिता से सिंहासन छीनना चाहता है, जिसका अर्थ यह होगा कि सिंहासन लेने के लिए वह अपने पिता की हत्या करने जा रहा है। और जिस तरह से वह अपनी सभा जमाता है, आप देख सकते हैं कि वह किस तरह से गड़बड़ करता है।

उसके मन में भगवान के प्रति कोई सम्मान नहीं है। वह ईश्वर को एक ढोंग के रूप में उपयोग करता है। और इसलिए उसे अपने आसपास एक जमावड़ा लगाने की जरूरत है और वह यरूशलेम में ऐसा नहीं कर सकता।

तो, वह हेब्रोन जा रहा है और खुद को हेब्रोन में राजा के रूप में स्थापित करेगा, वह प्राचीन राजधानी जहां से डेविड ने शुरुआत की थी। तो वह वहां कैसे जाता है? उस ने झूठ बोलकर अपने पिता से कहा, मैं ने हेब्रोन में बलिदान चढ़ाने की मन्नत मानी है। और इसलिए, दाऊद ने कहा, ठीक है, तुम वहां जा सकते हो और हेब्रोन में अपने बलिदान चढ़ा सकते हो।

लेकिन वह पिता की गद्दी हथियाने और पिता को मारने के लिए इस बलिदान का इस्तेमाल एक ढोंग के रूप में कर रहा है। वह वास्तव में इस पूरे मामले में पूरी तरह से धोखा दे रहा है क्योंकि उसके मन में एक और एजेंडा है। तो, वह वहां स्थापित हो जाता है और वह वहां चला जाता है।

वहां मौजूद बहुत से लोगों को पता ही नहीं था कि क्या हो रहा है। उन्हें बस इतना पता था कि राजा का बेटा बलि चढ़ा रहा है। और पाठ कहता है कि जब वह अपनी मन्नत और अपना बलिदान परमेश्वर को अर्पित कर रहा है, तो वह राज्य को यह बताने के लिए दूत भेज रहा है कि वह राजा है और वह अब हेब्रोन में राजा है।

तो, जबकि वह गॉडफादर की तरह है, जब वे बच्चे को बपतिस्मा दे रहे हैं, गॉडफादर हर किसी की हत्या कर रहा है। इसलिए, जब वह अपना बलिदान चढ़ा रहा है, तो वह डेविड को कमजोर करने और डेविड को नष्ट करने के लिए काम कर रहा है। यह भगवान के नाम को व्यर्थता की ओर ले जा रहा है।

यह भगवान के नाम का दुरुपयोग है। और इसलिए, और फिर जब वह बलिदान चढ़ा रहा है, तो वह देश में नंबर एक बुद्धि, अहीतोपेल, गिलियड को सुरक्षित करता है। और अहीतोपेल, सबसे अच्छी तरह मैं बता सकता हूँ, अहीतोपेल बथशेबा के दादा हैं।

वह इलियम का पिता है, जो बथशेबा का पिता है। मुझे लगता है कि उन्होंने डेविड को कभी माफ नहीं किया। और इसलिए, वह दाऊद को उखाड़ फेंकने के लिए अबशालोम के साथ षडयंत्र रचने को तैयार है।

वहाँ एक है, मुझे नहीं पता कि क्या मुझे यह जोड़ना चाहिए कि वह बथशेबा का दादा है और वह वही है जो डेविड को नष्ट करना चाहता है। हालाँकि मुझे लगता है कि बिंदुओं को उनके बीच जोड़ा जा सकता है। तो वैसे भी, वह अब परामर्शदाता बन गया है और वह एक परामर्शदाता के रूप में इतना शानदार है कि यह कहता है, डेविड उसे एक भविष्यवक्ता के बराबर मानता था।

वह बता सकता था कि क्या होने वाला था। उसके पास लोगों के बारे में अंतर्दृष्टि थी और वह जानता था कि क्या होगा। यह मुझे उस समय की याद दिलाता है जब मैं डलास संकाय में था, हमारे पास एक डीन, एक परामर्शदाता और बहुत ही ज्ञानवर्धक व्यक्ति थे।

मैं एक वर्ष तक अनुशासन समिति में था और हमारे पास एक छात्र के साथ एक मामला था। इसलिए, इससे पहले कि हम छात्र को डीन के पास लाएँ, काउंसलर ने कहा, मैं 11 से 14 प्रश्न पूछूँगा। मैं भूल गया कि यह कौन सा था।

उन्होंने कहा, मैं यह कहने जा रहा हूँ. वह ऐसा कहने जा रहा है. मैं यह कहने जा रहा हूँ. वह ऐसा कहने जा रहा है. और जब हम 11वें या 14वें स्थान पर पहुंचते हैं, तो मैं भूल जाता हूँ कि यदि वह विस्फोट करता है, तो वह दोषी है। तो, मैं वहां बैठ गया, निश्चित रूप से, जैसा उसने कहा, वह यह कहता है, वह यह कहता है।

और जैसा उन्होंने कहा था वैसा ही चल रहा है। और अब हम महत्वपूर्ण प्रश्न पर आते हैं और छात्र बिल्कुल भड़क गया, खड़ा हो गया और वह यह सुनकर वहां बैठने वाला नहीं था। यह मेरे लिए आश्चर्यजनक था कि परामर्शदाता सटीक अनुमान लगा सका।

इसी तरह मैं अहीतोपेल को देखता हूँ। वह बहुत प्रतिभाशाली और ज्ञानवर्धक था। और जब दाऊद भाग जाता है और उसे पता चलता है कि अहीतोपेल साजिश का हिस्सा है, तो वह तुरंत प्रार्थना करता है।

और वह कहता है, परमेश्वर ने अहीतोपेल की युक्ति को निष्फल कर दिया, और वे दुष्ट हैं। इसलिए, जब वे अंदर आएं, तो वे न केवल पिता की हत्या करने जा रहे हैं, बल्कि अहीतोपेल की पहली सलाह यह है कि अपने पिता के हरम को ले लो और महल की छत पर उनके साथ यौन संबंध बनाओ। दूसरे शब्दों में, वह समाचार प्रसारण है।

आप उसे करें। हर कोई जानता है कि यह विद्रोह वास्तविक है और आपने अपने पिता की नाक में दम कर दिया है। तो, इससे आपको इन लोगों की बुराई, व्यभिचार, हत्या और भगवान के नाम का दुरुपयोग करने का अंदाजा हो जाता है।

और देश उनका अनुसरण कर रहा है और वह लोगों का दिल चुरा रहे हैं।' यह दूसरी बात है, और उसने अपने पिता के बारे में झूठ बोलकर लोगों का दिल चुरा लिया। वह एक विशिष्ट राजनीतिज्ञ हैं।

जो कोई भी आता है, आपका मामला अच्छा है। और इसलिए, तुम जो चाहो मैं तुम्हें दूंगा। और वे सभी उसे चुनते हैं।

वहाँ एक विशिष्ट बात है, आप नहीं, माइक, माइक नहीं। सही। ठीक है।

तो, वह अहीतोपेल है। और आप देख सकते हैं कि दाऊद किस बुराई का सामना कर रहा है। तो, यह एक आध्यात्मिक युद्ध है, न कि केवल एक सैन्य युद्ध।

और लेखक चाहता है कि हम उस इतिहास को पढ़ें और समझें कि यह युद्ध किस बारे में है। जैसा कि मैंने कहा, यह एक युद्ध है, जैसा कि पूरी बाइबल में है, यह अच्छे और बुरे, न्याय, अन्याय, शक्ति या अधिकार इत्यादि के बीच का युद्ध है। यही संघर्ष है।

अब आइए एक नजर डालते हैं। हमें यह भी जानना होगा कि इस समय डेविड के साथ क्या हो रहा था. और जब डेविड को तख्तापलट के बारे में पता चलता है और उसे पता चलता है कि हर

कोई उसका पीछा कर रहा है, तब डेविड को एहसास होता है कि यरूशलेम में रहना सुरक्षित नहीं है क्योंकि उसके पास वहां बहुत सारे जासूस हैं।

कोई उसे जहर दे सकता है. कोई देशद्रोह कर सकता है. यरूशलेम में यह सुरक्षित नहीं था।

और उसके लिए शहर से बाहर रहना ही बेहतर है ताकि यदि कोई लड़ाई हो तो वह वास्तविक लड़ाई कर सके। इसलिए, डेविड शहर से भाग गया। दिलचस्प बात यह है कि शहर छोड़ते समय उसकी ये अलग-अलग मुठभेड़ें होती हैं।

और यह उतना जर्मनिक नहीं है, लेकिन यह टाइपोलॉजी का हिस्सा है। यह दिलचस्प है कि इत्तई, गिताइट पूरी निष्ठा के साथ उसके साथ जुड़ता है। और यहाँ चित्र है.

उनके अपने ही लोग उन्हें नकार रहे हैं. और यहाँ गैरयहूदी, गती है जो गत से है जहाँ से गोलियथ आया था। वह डेविड के प्रति वफादार है.

और वह यीशु की एक जबरदस्त तस्वीर है, जहां उनके अपने ही लोगों ने उन्हें सूली पर चढ़ा दिया। और जो लोग आज उसके साथ जाते हैं वे लगभग सभी गैर-यहूदी हैं। यह काम को खत्म करना नहीं है, बस यह कहना है कि यह तस्वीर है।

और यही हकीकत है. मैं कभी-कभी राजनीतिक रूप से सही नहीं होता, लेकिन जो मैं देखता हूँ वह सच है। और जैसे ही वह जाता है, अगले व्यक्ति से उसकी मुलाकात पुजारी सादोक से होती है।

और जब वह सादोक से मिलता है, तो वह सादोक से कहता है, तुम बस एक बोझ बन जाओगे। तुम यहाँ मेरा कुछ भी भला नहीं करोगे। और उस ने उस से कहा, क्या तू द्रष्टा है? जिससे उनका तात्पर्य है, क्या आप मुझे भविष्यवाणियाँ दे सकते हैं और मुझे सलाह दे सकते हैं? क्योंकि मुझे युद्ध में मार्गदर्शन के लिए एक भविष्यवक्ता की आवश्यकता है जैसा कि अक्सर होता है।

और इसलिए, वह कहता है, क्या आप मुझे निर्देशित कर सकते हैं? क्या आप द्रष्टा हैं? क्या आप मुझे एक भविष्यवाणी दे सकते हैं? क्या आप युद्ध में मेरी सहायता कर सकते हैं? और वह कहता है, नहीं, सन्दूक को यरूशलेम को लौट ले जाओ। और भजन में वह कहता है, परमेश्वर मुझे अपने पवित्र पर्वत से चंगा करेगा। तुम वहाँ लौट जाओ, सन्दूक लेकर यरूशलेम को लौट जाओ।

और तुम वहाँ एब्द्यातार नाम के एक अन्य याजक के साथ रहोगे। एब्द्यातार का योनातान नाम का एक पुत्र है और सादोक का अहीमास नाम का एक याजक है। और वह जो स्थापित कर रहा है, डेविड जो कर रहा है वह एक संपूर्ण जासूसी-रोधी प्रणाली स्थापित कर रहा है।

वह यह तय कर रहा है कि सादोक उसकी आंखें और कान बनेगा और उसे बताएगा कि क्या हो रहा है। और वह कैसे सीखेगा कि क्या हो रहा है, सादोक डेविड को इन दो बेड़े के माध्यम से बताने जा रहा है, धन्यवाद। और ये बेड़े पैरों वाले बेटे, यही मेरी समस्या है।

वैसे भी, वहाँ वही शराब आ रही है। सही। ठीक है।

तो, वे धावक बनने जा रहे हैं और वे डेविड को बताने जा रहे हैं, जो अब जॉर्डन की ओर जा रहा है, वास्तव में राजा के महल में क्या चल रहा है। और इसलिए वह सादोक को वापस भेजता है और वह जासूसी प्रणाली स्थापित कर रहा है। तो, उसे पता चल जाएगा कि अबशालोम क्या कर रहा है।

और वह जवाबी कदम उठा सकता है और जान सकता है कि उसे कैसे भागना चाहिए या कहाँ भागना चाहिए। और वह जान लेगा कि अबशालोम क्या कर रहा है। तो, वह एक जनरल है और जानना चाहता है कि दुश्मन क्या करने वाला है।

जैसे-जैसे वह पहाड़ की चोटी पर पहुँचता है, और यह उन लोगों के बारे में बात करना बहुत सार्थक है जिनसे वह पहाड़ के विभिन्न चरणों में मिलता है, लेकिन वह पहाड़ की चोटी पर पहुँच जाता है। और यहीं उसे पता चलता है कि अहितोपेल साजिश में शामिल हो गया है। और वह तुरन्त प्रार्थना करता है, कि परमेश्वर अहितोपेल की युक्ति को निष्फल कर दे।

और उस क्षण भगवान की कृपा से, एक और परामर्शदाता, बहुत प्रतिभाशाली, हुशाई है। और वह कहता है, हुशै, तुम यहां मेरे लिये केवल बोझ बनोगे। मैं चाहता हूँ कि तुम वापस जाओ और अहितोपेल की सलाह को विफल करो।

और यह पूरी तरह से महत्वपूर्ण है। और इसलिए, क्या होता है कि अब उन्होंने अबशालोम को ईश्वर की कृपा से बाहर कर दिया है। जैसे अबशालोम नगर में प्रवेश कर रहा है, हुशै नगर में प्रवेश कर रहा है।

यह सिर्फ भगवान का विधान है। और हुशाई, काश मेरे पास हुशाई को विकसित करने का समय होता। वह बहुत प्रतिभाशाली, बहुत चतुर है।

वह शुरू करते हैं और कहते हैं, राजा अमर रहें। बेशक, उसका मतलब डेविड है, लेकिन अबशालोम सोचता है कि उसका मतलब वह है। इसलिए, वह जो कुछ भी कहता है, अबशालोम उसे अपनी प्रशंसा के रूप में सुनता है।

और वह जो कुछ कहता है वह डेविड के लिए भी उपयुक्त है। यह बहुत शानदार है। इसलिए, अबशालोम और उसका अभिमान नहीं सुन सकते कि वास्तव में क्या हो रहा है।

खैर, वैसे भी, अहितोपेल, उसकी सलाह है, जबकि तुम्हारा पिता कमजोर है, वह बेनकाब हो गया है, वह थक गया है। उसके पास अभी तक वास्तव में संगठित सेना नहीं है। यह उस पर प्रहार करने का समय है।'

हुशै जानता है कि यह सही है, लेकिन उसे उस सलाह को हराना होगा। और इसलिए, वह वापस आता है और कहता है, तुम्हें पता है कि तुम्हारे पिता कितने चतुर हैं। वह एक चतुर योद्धा है।

जब वह तुम्हारे कुछ सैनिकों को मार डालेगा, तब वे सब चले जायेंगे क्योंकि वे सब दाऊद से डरते थे। इसलिए मेरी सलाह यह है कि तुम सारे इस्राएल को एक बड़ी सेना के साथ इकट्ठा करो। आप उनके शीर्ष पर होंगे और आप उनके ऊपर बर्फ की तरह हो जायेंगे।

तुम तो अभिभूत हो। और यदि वे किसी शहर में हैं, तो हम रस्सियाँ लाएँगे और दीवारों को गिरा देंगे। उनके पास बचने का कोई रास्ता नहीं होगा, लेकिन ऐसी शक्ति होगी कि वह बच नहीं सकता।

अबशालोम को उनकी सलाह अहीतोपेल की सलाह से अच्छी लगती है। अहीतोपेल बहुत उज्वल है। वह जानता है कि यह बिल्कुल ग़लत सलाह है।

वह जानता है कि पाठ्यक्रम समाप्त हो गया है। वह घर जाता है और खुद को फाँसी पर लटका लेता है क्योंकि उसे मौत की सजा दी जाने वाली है। वह जानता है कि डेविड उस सलाह के परिणामस्वरूप जीतेगा।

अब यह कहानी की पृष्ठभूमि है। क्या आपको धर्मशास्त्र मिलता है? यदि आप केवल स्तोत्र पढ़ते हैं और प्रार्थना करते हैं, तो आप सोचेंगे कि कोई साधन नहीं था, लेकिन जब यह कथा होती है, तो आपको एक और दृष्टिकोण मिलता है कि क्या हो रहा है। दाऊद हुशै की प्रशंसा नहीं करता।

वह ईश्वर के अलावा किसी की स्तुति नहीं करता, लेकिन वह इस बात से इनकार नहीं करता कि विधान के इस दृश्य के पीछे ईश्वर काम कर रहा है। इसलिए, मैं यह समझाना चाहता हूँ कि जब हमारे बच्चे बहुत छोटे थे, तो हम बाइबल कहानियाँ खेला करते थे। बाइबिल की कहानियों में से एक जो मेरी बेटी को पसंद थी वह थी डेविड और गोलियथ।

तो, मैं लिविंग रूम के एक छोर पर खड़ा होता और वह लिविंग रूम के दूसरे छोर पर खड़ी होती। मैं अपनी तलवार उठाऊंगा और कहूंगा, मैं गोलियथ हूँ और यह मेरी तलवार है। मैं तुम्हें युद्ध के लिए चुनौती देता हूँ।

वह कहती, मुझे ईश्वर पर भरोसा है। खैर, हमारे पास कमरे के कोने में एक डिश तौलिया था और हमारे पास पांच पिंग पोंग गेंदें थीं। तो, हम कमरे के कोने में जाएंगे और हम पांच पिंग पोंग गेंदें उठाएंगे और हम फिर से काम करेंगे।

मैं गोलियथ हूँ और यह मेरी तलवार है। मैं तुम्हें युद्ध के लिए चुनौती दूँगा। वह कहती, मुझे ईश्वर पर भरोसा है।

वहीं यह कहने के बाद कि उसे भगवान पर भरोसा है, वह तौलिया घुमाएगी और पिंग पोंग बॉल न जाने कहां चली गई। मैं नीचे गिर जाता था और वह दौड़कर मुझ पर कूद पड़ती थी और सबसे अच्छी बात यह थी कि मेरा सिर काट दिया जाता था। तो, इस तरह हमने डेविड और गोलियथ की भूमिका निभाई।

जब हमने पहली बार बाइबल कहानी सीखना शुरू किया, जब हम दूसरी बार मिले, तो वह आम तौर पर यह कहना भूल जाती थी, मुझे भगवान पर भरोसा है। तो, वह तलवार घुमाएगी, तौलिया लेगी, पिंग पोंग बॉल लेगी। दिलचस्प बात यह है कि डेविड के पास पाँच थे, लेकिन किसी भी स्थिति में, मैं निश्चित रूप से नीचे नहीं गिरूँगा, क्योंकि उसने यह नहीं कहा था, मुझे भगवान पर भरोसा है।

परन्तु एक शाम जब हम आमने-सामने हुए, तो उसने कहा, मुझे ईश्वर पर भरोसा है और मैंने कुछ नहीं किया। मैं नीचे नहीं गिरा। उसने मुझसे कहा, डैडी, मैंने कहा, मुझे भगवान पर भरोसा है।

मैंने कहा, मुझे पता है, लेकिन आपने स्विंग नहीं की, आपने पिंग पोंग गेंद नहीं फेंकी। विश्वास काम करता है। अपने बिस्तर पर लेटने और यह कहने की तुलना में कि, मुझे भगवान पर भरोसा है, डॉक्टर के चाकू पर जाने के लिए अधिक विश्वास की आवश्यकता हो सकती है।

क्या आप धर्मशास्त्र को देखते हैं कि आपको कथा में दो अलग-अलग दृष्टिकोण मिल रहे हैं? यह डेविड का साधन हो सकता है, लेकिन उसने प्रार्थना की। और उचित समय पर, परमेश्वर ने उसे हुशै भेजा, परन्तु यह मानवीय साधनों के बिना नहीं था। मुझे लगता है कि यह गहन धर्मशास्त्र है, मुझे याद है कि मैंने उलास में हमारे एक छात्र को इस स्तोत्र पर उपदेश देते हुए सुना था, लेकिन उसने सुपरस्क्रिप्ट का जिक्र नहीं किया था।

बस इतना ही था, हमें बस भगवान पर भरोसा है।' उदाहरण के लिए, मैं ऐसे कई लोगों को जानता हूँ जो सिर्फ भगवान पर भरोसा करते हैं और कैंसर से मर जाएंगे। किसी भी साधन का उपयोग किए बिना, ऐसा नहीं है कि आप ठीक हो जाएंगे, लेकिन मैं सिर्फ यह कह रहा हूँ, मुझे लगता है कि यह एक गलत दृष्टि है।

आध्यात्मिक आवश्यकता यह है कि हमारे दिल में वास्तव में आमीन हो कि भगवान काम करने जा रहे हैं। हालाँकि, वह काम पर जा रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि हम कुछ नहीं करते।

विश्वास काम करता है। तो, यह एक सुझाव है। ठीक है।

अब हम स्तोत्र को ही देखते हैं और हमने अब तक सुपरस्क्रिप्ट को पढ़ लिया है। हम उससे भी तेज काम करने जा रहे हैं। ठीक है।

ठीक है। सबसे पहले, मैंने आपसे स्तोत्र का विश्लेषण करने के लिए कहा। तो, मुझे लगता है कि पता स्पष्ट है।

ओह, मैं सीधे तौर पर बात कर रहा हूँ। तो, विलाप कहाँ है? आत्मविश्वास कहाँ है? याचिका कहाँ है? और स्तोत्र का निष्कर्ष? क्या यहाँ कोई हमारी मदद करना चाहता है? नहीं, मैंने धोखा दिया। क्षमा? मैंने कहा, मैंने धोखा दिया और अगला पृष्ठ देखा।

ओह, ठीक है, मैं क्रॉसवर्ड पहेलियों पर हर समय ऐसा करता हूँ। ठीक है। ठीक है, यदि आपने ऐसा किया है, तो ठीक है, आगे बढ़ें।

विलाप श्लोक एक और दो है। यह विलाप है। मेरे शत्रु कितने हैं? बहुत से लोग इसे मेरे विरुद्ध कहते हैं।

सही। तो, यह विलाप है। ठीक है।

आप अब तक अच्छा कर रहे हैं। आपको एक ए और श्लोक दो भी मिला। हाँ।

इसके एक भाग के रूप में, भगवान उसे छुटकारा नहीं देंगे। ठीक है। अब क्या? तो, अब तक हमारे पास श्लोक एक और दो हैं।

मुझे ऐसा लगता है कि तीन की शुरुआत आत्मविश्वास से होती है। हाँ। लेकिन तुम, मैं हूँ, तुम एक ढाल हो।

आप इसे देखते हैं, लेकिन अक्सर आप ही वह संकेत होते हैं जिससे हम विश्वास में आ गए हैं। यह स्थिति है, लेकिन मेरे पास तुम हो। वह आत्मविश्वास अनुभाग है, लेकिन आप वह ढाल हैं जो मेरी रक्षा करती हैं।

ठीक है। आप आत्मविश्वास को कितनी दूर तक बढ़ाना चाहते हैं? ऐसा लगता है कि कम से कम छह के बाद आत्मविश्वास कम हो जाता है। आप ठीक कह रहे हैं।

ठीक है। आप सही हैं क्योंकि मैं सहमत हूँ। आप ठीक कह रहे हैं।

मैं कहूँगा कि तीन से छह आत्मविश्वास अनुभाग है। ठीक है। श्लोक सात में क्या होता है? याचिका।

हमें याचिका मिल गई है। मुझे वितरित करें, महत्वपूर्ण शब्द. ध्यान दें कि कैसे, न केवल मुझे मुक्ति दिलाएं, बल्कि यह भी देखें कि इसके दुख वाले हिस्से में क्या होता है।

शत्रु को दण्ड दो. तुम देखो, उनके गाल पर मारो। इसलिए, हमारे पास एक दोहरी याचिका है जिसका हमने निहितार्थ स्तोत्रों से निपटाया है।

ठीक है। और फिर हम, हाँ, यही स्तुति है, मुक्ति है। वहाँ प्रशंसा है।

मुक्ति प्रभु की है। और यह इस कामना के साथ समाप्त होता है कि आपका आशीर्वाद आपके लोगों पर बना रहे। तो, आप देख सकते हैं, यह आपको एक भजन को समझने में मदद कर सकता है।

और जब आप भजन में जाने वाले तत्वों को समझते हैं, तो मेरे शत्रु कितने हैं, इसकी समानता देखने के अलावा, और यह पर्यायवाची समानता, शत्रुओं और मेरे विरुद्ध उठने वाले लोगों के बहुत करीब है। तो, दूसरे शब्दों में, मुद्दा यह है कि, वे न केवल दुश्मन हैं, बल्कि वे उस पर हमला भी कर रहे हैं। तो, थोड़ी सी वृद्धि, मेरे कितने दुश्मन हैं और वे मुझ पर हमला कर रहे हैं।

और फिर वे मुझसे कह रहे हैं, और वे उसमें कुछ जोड़ते हैं, और वहां आप उनका अविश्वास और अभिषिक्त राजा के प्रति उनकी अस्वीकृति देखते हैं। आपको यह समझना होगा कि डेविड अभिषिक्त राजा है और हर कोई जानता था कि वह अभिषिक्त राजा था। और लोगों की कृतघ्नता, यह मनुष्य जिसने गोलियथ को हराया था, यह राजा जिसने उन्हें उनका राज्य दिया था और परात नदी से लेकर मिस्र की नदी तक, पूरी कृतघ्नता के साथ उनके लिए यह सब अच्छा किया था।

वे उसे मौत के घाट उतार देना चाहते हैं। आप उसकी करुणा और उसके प्रकार को देख सकते हैं। भगवान उसका उद्धार नहीं करेंगे।

यह बिलकुल वैसा ही है जैसा उन्होंने क्रूस पर यीशु के बारे में कहा था। और इसलिए, उनका कोई विश्वास नहीं है, जो यहां दिखाया जा रहा है। न ईश्वर पर विश्वास, न अपने राजा पर विश्वास।

भगवान उसका उद्धार नहीं करेंगे। मैं बस याचिका के बारे में उत्सुक हूं, शायद कुछ अन्य याचिकाओं के विपरीत, वह अपने दुश्मनों को मारने के लिए नहीं कह रहा है। तुम्हें पता है, दुश्मन उसे मारना चाह रहा था।

यह विलाप उनकी मृत्यु न माँगने के अर्थ में एक कड़ी फटकार प्रतीत होता है। क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि वे कौन थे और वे इज़राइल का हिस्सा थे? मुझे पता है, कोडी, वह उनकी हार के लिए पूछ रहा है। मुझे लगता है कि भजन संहिता में कहीं और इसकी कुछ वैधता है।

वे शत्रु की मृत्यु के लिए प्रार्थना करते हैं। संभवतः यह हो सकता है कि वह अपने लोगों की मृत्यु नहीं माँग रहा हो। यह एक संभावना है।

मुझे लगता है कि यह एक उपयोगी टिप्पणी है। तो, हाँ, यह संभव है कि वह पूरे रास्ते न जाए, लेकिन हम उस पर वापस आएंगे। जब हम वहां पहुंचेंगे तो हम इसके बारे में और बात करेंगे।

तो, आपको श्लोक तीन से छः तक पर भरोसा है। मैं कहूंगा कि आत्मविश्वास के दो भाग हैं। पहला भाग ईश्वर में उनके विश्वास का बयान है।

तुम मेरे चारों ओर ढाल हो। और उनका आत्मविश्वास व्यक्त कर रहा है, मैं जोर-जोर से रोता हूँ कि मैं कौन हूँ। और वह अपने पवित्र पर्वत पर से मुझे उत्तर देता है।

और फिर, जैसा कि मैं इसे समझता हूँ, वह पुष्टि करता है और अपने विश्वास को प्रदर्शित करता है कि लड़ाई और खतरे के बीच में, वह सो जाता है। मेरा मतलब है, क्या आप सोच सकते हैं कि पूरी दुनिया आपके खिलाफ़ खड़ी हो जाएगी? और वह लेट कर सो जाता है। वह एक असामान्य व्यक्ति है।

इसलिए, जब वह आत्मविश्वास से कहता है, यह तुम दोनों हो, मैं हूँ, और वैसे, मैं हूँ का प्रयोग सात बार किया जाता है, जो असामान्य नहीं है। लेकिन वैसे भी, लेकिन तुम, मैं हूँ, और तुम मेरे चारों ओर ढाल हो। और यह हल्की पैदल सेना की ढाल है।

और वह न केवल जानता है कि ईश्वर कौन है, बल्कि वह उसके चारों ओर ढाल भी है। वह यह भी जानता है कि वह कौन है। अर्थात्, आप हैं, उसकी महिमा यह है कि वह वाचा-पालन करनेवाले परमेश्वर का है।

और वे, उसका हिस्सा, वे एकजुट हैं। उसकी महिमा, जो उसकी जीत में उसे गौरव, सामाजिक सम्मान देती है। आप ही हैं जो मेरे सिर को बढ़ते शत्रु से ऊपर उठाते हैं।

और इसलिए, वह जानता है कि वह कौन है। वह जानता है कि वह राजा है। तो, वह जानता है कि भगवान उसकी रक्षा करेगा।

वह जानता है कि वह ईश्वर के पुत्र के रूप में कौन है। वह जानता है कि जब वह प्रार्थना करेगा तो परमेश्वर उसकी प्रार्थना सुनेगा और परमेश्वर उसका सम्मान करेगा और उसे महिमा प्रदान करेगा। इसलिए, मैं यहां यह कहता हूं, भरोसा भगवान पर आधारित है।

मैं उनके स्वयं के चुनाव पर सोचता हूं कि हमारा विश्वास मसीह में है। हमें जानना होगा कि हम कौन हैं और आप और मैं, हम ईश्वर की संतान हैं। और भगवान ने उसे बुलाया।

आप देखिए, यदि भगवान, हमने इस बारे में बात की कि वह कैसे जानता है कि वह राजा है? मैं ने कहा, वह भविष्यद्वक्ता शमूएल था, जिस ने कहा, तू राजा है। किसी न किसी तरह, उसने सैमुअल को पागल नहीं समझा। उसने इसे भगवान की आवाज के रूप में सुना।

यह उसके पास परमेश्वर के वचन के रूप में आया। अपने अंतरतम में, वह जानता था कि यह परमेश्वर का वचन था। मुझे लगता है कि इसके लिए बहुत अधिक विश्वास की आवश्यकता है, मेरे कहने का मतलब यह है कि वह इस पर अपना पूरा जीवन जोखिम में डाल देगा क्योंकि राजा ने ऐसा कहा था।

फिर कुछ हुआ। जब उस ने उस पर तेल डाला, तब परमेश्वर का आत्मा उस पर उतरा, और वह भिन्न हो गया। वह बाहर गया और परमेश्वर का कार्य किया।

अब मुद्दा यह है, ऐसा मुझे लगता है, और यह वही है, मानवीय रूप से कहें तो, यीशु के पास जॉन द बैपटिस्ट और महान भविष्यद्वक्ता की आवाज़ थी। उस पर परमेश्वर का आत्मा आया था। उसके पास ईश्वर की आवाज़ थी।

उसके पास सारा धर्मग्रंथ था। उसने परमेश्वर के कार्य किये। और वह हम हैं।

हम जानते हैं कि हम ईश्वर की संतान हैं क्योंकि ईश्वर का वचन हमारे पास आया क्योंकि यह वास्तव में सत्य है, ईश्वर का वचन है। हमने इसे परमेश्वर के वचन के रूप में सुना। हम इसे ईश्वर का वचन मानकर स्वीकार करते हैं।

यह हमारे लिए एक उपहार है. विश्वास एक उपहार है जिसे आप इस तरह से सुनते हैं। परमेश्वर की आत्मा हमारे साथ है.

उसने हमें बदल दिया. वह हममें है. वह हमारे साथ काम करता है और हम अलग तरह से रहते हैं।

हम दुनिया से अलग ढोल की थाप पर चल रहे हैं। मैं जानता हूँ कि मैं अलग हूँ क्योंकि भगवान की कृपा मेरे साथ काम कर रही है। अब मेरा कहना यह है कि परमेश्वर ने दाऊद के हृदय और उसके पूरे जीवन पर इतना प्रभाव डाला और फिर कहा, मैं तुम्हें त्याग देता हूँ।

वह परित्यक्त महसूस करता है, लेकिन अगर यह वास्तविकता है तो यह दुष्टता होगी। यह शैतानी होगा. उसने इस पर अपना पूरा जीवन जोखिम में डाल दिया और फिर कहा, क्षमा करें, मैंने अपना मन बदल लिया और आपसे दूर चला गया।

मेरे लिए, यह लगभग शैतानी ही होगी कि आप अपना पूरा जीवन दे दें। आप यीशु को अपना जीवन देने की सबसे धार्मिक भावना से प्रेरित हुए हैं। और फिर जब आप मर जाते हैं, तो भगवान कहते हैं, क्षमा करें, मैंने अपना मन बदल लिया और चला गया।

यह गलत होगा. भगवान ऐसा नहीं करेगा। लेकिन मैं यह कहने वाला कौन होता हूँ कि भगवान गलत है? बात सिर्फ इतनी है कि मैं जानता हूँ कि वह उसका स्वभाव नहीं है।

वह ऐसा कभी नहीं करेगा. मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा। मैं तुम्हें कभी नहीं त्यागूंगा.

मुझ पर भरोसा करें। यही हमें बनाता है, मसीह को अलग बनाता है। मेरा विश्वास करो, यहां तक कि मृत्यु में भी, इससे गुजरते हुए मेरा हाथ पकड़ो।

तो, उसे इस बात पर विश्वास है, और उसे यह जबरदस्त तस्वीर मिली कि यहाँ समुद्र तल से 2,500 फीट ऊपर, पवित्र पर्वत की चोटी पर सन्दूक द्वारा दर्शाया गया भगवान है। यहाँ वह जॉर्डनियन रिफ्ट वैली में है, जो समुद्र तल से 2,500 फीट नीचे है। तो, जब वह यह प्रार्थना कर रहा होता है तो वह सबसे निचले, वस्तुतः पृथ्वी के सबसे निचले बिंदु पर होता है।

और ईश्वर उच्चतम बिंदु पर है, सैद्धांतिक रूप से, आप सभी विज्ञान के बारे में जानते हैं, उच्चतम नहीं, लेकिन इसे उच्चतम के रूप में चित्रित किया गया है। तो, यह जो कह रहा है वह यह है कि अंतरिक्ष से ईश्वर पर कोई फर्क नहीं पड़ता। ताकि भले ही वह स्वर्ग में चित्रित हो और हमसे बहुत ऊपर हो, वह हमारे करीब है।

और वह हमारी प्रार्थना सुनता है और हमारी प्रार्थना आश्चर्यजनक रूप से उसकी उपस्थिति में प्रवेश कर जाती है। वह अब श्लोक पाँच और छः में अपना विश्वास सिद्ध करता है। जैसा कि मैं कहता हूँ, वह लेट जाता है, मैं लेट जाता हूँ और सो जाता हूँ और मैं जाग जाता हूँ क्योंकि भगवान मुझे संभालते हैं।

आपके नोट्स में, पृष्ठ के नीचे पृष्ठ 178 पर एक उपयोगी टिप्पणी है जो आपके लिए उपयोगी हो सकती है। और मैं ध्यान देता हूँ, विश्वास में सुरक्षित सोना प्राचीन निकट पूर्व में अद्वितीय है। फिरौन ने अपने बेटे से कहा, जब तू सोए, तब भी यह तेरे हृदय की रक्षा करता रहे, क्योंकि संकट के दिन कोई मनुष्य स्थिर नहीं रह सकता।

कभी भी सोने न जाएं क्योंकि आपके पास वास्तव में आपके साथ खड़ा होने वाला कोई नहीं है। और यहाँ डेविड है, वह सोने जा रहा है। कैसा विरोधाभास है।

और आप यह देख सकते हैं, कि आप सोने नहीं जाते हैं। शाऊल की कहानी याद रखें जब वह डेविड का पीछा कर रहा था और फिर वह अब्रर के साथ सो गया और डेविड और वह कौन था जो उसके साथ था? वैसे भी, वे इसे चुरा लेते हैं। क्षमा? छात्र की आवाज।

जोआब, जोज़िया, आप उसके वार्डन के बारे में बात कर रहे हैं। नहीं, यह योआब नहीं था। यह योआब का छोटा भाई था।

वैसे भी, जब वह सो रहा होता है तो वे शिविर में चोरी कर लेते हैं। और दाऊद अपना जल का घड़ा और अपना भाला ले लेता है। दूसरे शब्दों में, वह शाऊल से कह रहा है, तेरा जीवन और मृत्यु, जल का घड़ा और भाला मेरे हाथ में है।

और जो बात बहुत आश्चर्यजनक है वह है राजा के प्रति अपनी वफादारी दिखाना। वह शाऊल को उसका भाला वापस देता है क्योंकि उसे अपनी रक्षा के लिए भाले की आवश्यकता होती है, लेकिन इससे उसे अपना भरण-पोषण करने के लिए पानी का घड़ा नहीं मिलता है। यह वफादारी के लिए बस शानदार है।

सो वह सो रहा था, और दाऊद छावनी में घुस गया, और उस से एक भाला और पानी का घड़ा ले लिया। उनके हृदय की महानता, अशुद्ध प्रार्थनाओं के लिए उन्हें दोष देने की बात करते हैं। वह परमेश्वर के अभिषिक्त को नहीं छूएगा।

वह विश्वास है, उसकी ओर से जबरदस्त विश्वास। एक और है जो, ओह, हमारे पास कविता में था, सिसरो सोने चला गया और जाओ ने उसे अंदर ले लिया। तो, यह तथ्य कि वह सो सकता है, भगवान में जबरदस्त विश्वास दिखाता है जब आपके चारों ओर आपके सभी दुश्मन हों।

मुझे लगता है कि मुझे नींद की गोली की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन यह जबरदस्त विश्वास है। मुझे बस यह पसंद है। फिर हमारे पास याचिका है।

सबसे पहले, हम पहले ही डिलीवर शब्द पर चर्चा कर चुके हैं। यह तब एक महत्वपूर्ण समावेशन बन जाता है। ध्यान दें कि इसकी शुरुआत शत्रु के यह कहने से हुई, कि ईश्वर उसे नहीं बचाएगा, लेकिन वह निराश नहीं होता।

तो, अंत में, वह कहता है, मुझे छुड़ाओ क्योंकि यह सही है और मेरे भगवान। अब यहाँ अचूक प्रार्थना में, जब वह कहता है, मेरे सभी शत्रुओं के गाल पर प्रहार करो, जैसा कि मैं समझता हूँ,

उन्हें असहाय कर दो। यदि वह शत्रु के गाल पर प्रहार कर सकता है, तो उसके पास कोई बचाव नहीं है।

इसलिए, उनकी सारी सुरक्षा छीन लें, उनके गाल पर प्रहार करें, उन्हें अपमानित करें। इसलिए, वह अपना बचाव नहीं कर सकता। फिर दूसरी ओर दुष्टों के दाँत तोड़ डालो।

इसलिए, वह आक्रामक नहीं हो सकता और नुकसान नहीं पहुंचा सकता। लेकिन मुझे लगता है कि कोडी ने एक अच्छी बात कही है कि उसने वास्तव में अपनी मृत्यु के लिए प्रार्थना नहीं की थी। उन्होंने बस इतना कहा, उन्हें ऐसा बनाओ कि वे रक्षाहीन और बिना किसी अपराध के हों और बस उन्हें बेअसर कर दो।

फिर वह स्तुति और मुक्ति के साथ समापन करता है। यही कुंजी है, मुक्ति। Am की है। वह एक कामना के साथ समाप्त होता है, इस सांप्रदायिक भावना के साथ, लोगों के लिए एक कामना, आपका आशीर्वाद आपके लोगों पर बना रहे।

और हम वह लोग हैं और दाऊद का आशीर्वाद हम पर है। मुझे लगता है कि यह एक तरह से है कि डेविड का आशीर्वाद आप पर और मुझ पर है और भगवान इसका सम्मान करेंगे। हम कितने विशेषाधिकार प्राप्त हैं।

फिर इसे पोस्टस्क्रिप्ट को सौंप दिया जाता है और हम सही काम कर रहे हैं। हम आज इसे अपने लिए उपयोग कर रहे हैं और इससे सबक सीख रहे हैं। वह भजन 3 है। यह परमेश्वर के अद्भुत वचन हैं, है ना? अमीर, अमीर, अमीर.

खैर, हम उसे सैमुअल से वापस ले लेंगे। हाँ। आपके पास वह नहीं है।

हाँ। तुम्हें वो सब याद आएगा. आपके पास संदर्भ नहीं है, जो प्रक्षेपित हो रहा है।

यह जलोढ़ को प्रक्षेपित करने के लिए किसी चीज़ की आवश्यकता जैसा है। इससे सचमुच बहुत फर्क पड़ता है। आप देख सकते हैं कि जब आप इन सुपरस्क्रिप्ट को ले जाते हैं तो यह कितना शैतानी होता है। व्याख्या में यह एक जबरदस्त हानि है।

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 14, याचिका स्तोत्र, स्तोत्र 3 है।